



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग III — खण्ड 4

PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 49]

नई दिल्ली, सोमवार, मार्च 31, 2008/चैत्र 11, 1930

No. 49]

NEW DELHI, MONDAY, MARCH 31, 2008/CHAITRA 11, 1930

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

अधिसूचना

मुम्बई, 31 मार्च, 2008

वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 2 की उप-धारा (1) के खण्ड (प) के अधीन अधिसूचना

फा. सं. 11/एलसी/जीएन/2008/21670.—यतः यह विनिश्चय किया गया है कि—

- क. एक सौ करोड़ रुपये तथा उससे अधिक के आस्ति आकार वाली संपूर्ण प्रणाली की दृष्टि से (सिस्टमिकली) महत्वपूर्ण, जमा न स्वीकार करने वाली गैर बैंककारी वित्तीय कंपनियों; और
- ख. जमा न स्वीकार करने वाली अन्य गैर बैंककारी वित्तीय कंपनियों, जिनका पचास करोड़ रुपये तथा उससे अधिक का आस्ति आकार और जोखिम भारित परिसंपत्तियों (आस्तियों) की तुलना में पूंजी का 10% अनुपात हो, अंतिम लेखापरीक्षित तुलन-पत्र के अनुसार जमा न स्वीकार करने वाली गैर बैंककारी वित्तीय कंपनियों के लिए यथा लागू,

का विचार वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (2002 का 54) के प्रयोजनों के लिए अर्हक संस्थागत क्रेता को विनिर्दिष्ट करने के लिए किया जाएगा।

अब इसलिए, वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 2 की उप-धारा (1) के खण्ड (प) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड एतद्वारा यह विनिर्दिष्ट करता है कि भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 (1934 का 2) की धारा 45-झक के अधीन रजिस्ट्रीकृत और उपरोक्त शर्तों को पूरा करने वाली गैर बैंककारी वित्तीय कंपनियाँ वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के प्रयोजनों के लिए अर्हक संस्थागत क्रेता होंगी।

सी. बी. भावे, अध्यक्ष

[विज्ञापन III/4/69जैडबी/2007/असा.]

**SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA****NOTIFICATION**

Mumbai, the 31st March, 2008

**Notification under clause (u) of sub-section (1) of Section 2 of the Securitisation and Reconstruction of Financial Assets and Enforcement of Security Interest Act, 2002**

**F. No. 11/LC/GN/2008/21670.—Whereas it has been decided that—**

- a. systemically important non-deposit taking non-banking financial companies (NBFCs) with asset size of one hundred crore rupees and above; and
- b. other non-deposit taking NBFCs which have asset size of fifty crore rupees and above and “Capital to Risk – weighted Assets Ratio” (CRAR) of 10% as applicable to non-deposit taking NBFCs as per the last audited balance sheet,

shall be considered for specifying a qualified institutional buyer for the purposes of the Securitisation and Reconstruction of Financial Assets and Enforcement of Security Interest Act, 2002 (54 of 2002).

Now therefore, in exercise of powers conferred by clause (u) of sub-section (1) of Section 2 of the Securitisation and Reconstruction of Financial Assets and Enforcement of Security Interest Act, 2002 (hereinafter referred to as ‘the SARFAESI Act’) the Securities and Exchange Board of India hereby specifies that the non-banking financial companies registered under Section 45-IA of the Reserve Bank of India Act, 1934 (2 of 1934) and satisfying the above conditions shall be qualified institutional buyers for the purposes of the SARFAESI Act.

C. B. BHAVE, Chairman  
[ADVT III/4/69ZB/2007/Exty.]